# APRIL TO JUNE 2016-17

## इंदिरा किसान मितान (अप्रैल,मई, जून)2016

### आगामी तीन माह की गतिविधियाँ

#### प्रक्षेत्र परीक्षण

| क्र. | फसल | प्रजाति | प्रयोग की जाने वाली तकनीक | रकबा (हे.) | लाभार्थी |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | धान | राजेश्वरी | धान की कतार बोनी से फसल प्रबंधन का आकलन | 0.8 | 04 |
| योग | | | | 0.8 | 04 |

#### अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

| क्र. | फसल | किस्म | प्रयोग की जाने वाली तकनीक | रकबा (हे.) | लाभार्थी |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | सेम | छत्तीसगढ़ सेम 1 | उन्नत किस्म का प्रदर्शन | 0.4 | 05 |
| 2. | धान | राजेश्वरी | उन्नत किस्म का प्रदर्शन | 5.0 | 12 |
| 3. | धान | राजेश्वरी | उन्नत किस्म का प्रदर्शन | 5.0 | 12 |
| 4. | सोयाबीन | जे.एस.97-52 | उन्नत किस्म का प्रदर्शन | 5.0 | 12 |
| योग | | | | 15.4 | 41 |

#### कृषकों एवं कृषक महिलाओं के लिए प्रशिक्षण

| क्र. | विषय | संख्या | अवधि | प्रशिक्षणार्थी |
|---|---|---|---|---|
| 1. | फसल उत्पादन | 4 | 1 | 90 |
| 2. | पौध संरक्षण | 4 | 1 | 88 |
| 3. | उद्यानिकी | 4 | 1 | 87 |
| 4. | मृदा विज्ञान | 4 | 1 | 86 |
| 5. | पशुपालन | 4 | 1 | 84 |
| 6. | मत्स्यकी | 4 | 1 | 83 |
| 7. | कृषि अभियांत्रिकी | 4 | 1 | 82 |
| योग | | 28 | 7 | 600 |

#### विस्तार गतिविधियाँ

| विषय | संख्या | लाभार्थी |
|---|---|---|
| वैज्ञानिक का खेतो में भ्रमण | 10 | 60 |
| केन्द्र पर कृषको का भ्रमण | 100 | 100 |
| योग | 110 | 160 |

#### कृषि महाविद्यालय में अध्यापन

| क्र. | वैज्ञानिक का नाम | विषय | संख्या | महाविद्यालय का नाम |
|---|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. नूतन रामटेके विषय वस्तु विशेषज्ञ पशुपालन | A VET - 221 (2+1) | 01 | संत कबीर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र कवर्धा |

पौध किस्म व कृषक अधिकार संरक्षण अंतर्गत वैज्ञानिको द्वारा संग्रहित किये गये बीजो का अवलोकन

प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

मशरूम उत्पादन कार्यक्रम

हर कदम, हर डगर
किसानों का हमसफर
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
Agrisearch with a human touch


कार्यक्रम समन्वयक
कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा
जिला-कबीरधाम (छ.ग.)
पिन-491995
फोन/फैक्स 07741-299124
E-mail: kvkkawardha@yahoo.in


बुक-पोस्ट
भारत शासन सेवार्थ

प्रति,
श्री/श्रीमती/डॉ. .....
.....
.....


उन्नत कृषि — समृद्ध किसान

# इंदिरा किसान मितान
# इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय
# कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा, जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

अंक-25 त्रैमासिक पत्रिका, अप्रैल, मई, जून 2016 वर्ष-9



संपादक मंडल

संरक्षक : डॉ. एस.के.पाटिल
कुलपति, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

मार्गदर्शक : डॉ. एम.पी.ठाकुर
निदेशक विस्तार सेवाएँ, इं.गां.कृ.वि.रायपुर (छ.ग.)

प्रेरणा स्त्रोत : डॉ. अनुपम मिश्रा
आंच. परियोजना निदेशक जोन-7 (भा.कृ.अनु.परि.) जबलपुर

प्रकाशक एवं प्रधान संपादक :
डॉ. बी.पी.त्रिपाठी
प्रभारी कार्यक्रम समन्वयक
कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा
जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

संपादक : डॉ. नूतन रामटेके
पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन

सह संपादक :
इं.टी.एस.सोनवानी
कृषि अभियांत्रिकी
श्रीमती प्रमिला कांत
उद्यानिकी
श्री बी.एस.परिहार
सस्य विज्ञान
कु.मनीषा खापर्डे
मात्स्यिकी
श्री वाई.के. कौशिक
कार्यक्रम सहायक
श्रीमती स्वाती शर्मा
कार्यक्रम सहायक


हर कदम, हर डगर
किसानों का हमसफर
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
Agrisearch with a human touch

## पौध किस्म व कृषक अधिकार संरक्षण पर कृषक जागरूकता व कृषक संगोष्ठी का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा द्वारा दिनांक 24.01.2016 जिले में पाए जाने वाले बहुमुल्य जैव विविधता को संरक्षित करने और किसानो के पास उपलब्ध बीजों का संरक्षण के लिए एक दिवसीय कृषक जागरूकता व कृषक संगोष्ठी का अयोजन किया गया।

## मशरूम उत्पादन तकनीकी पर प्रशिक्षण

अखिल भारतीय समन्वित मशरूम अनुसंधान परियोजना व जन जातिय उपयोजना अंतर्गत आदिवासी महिला और पुरूषो को मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण दिया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा आदिवासी महिला व पुरूषो को चार दिवसीय मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण ग्राम खड़ौदा खुर्द में 23 से 26 फरवरी तक आयोजित किया गया।

## समूह फसल प्रदर्शन पर प्रक्षेत्र दिवस

कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन अंतर्गत चना का समूह फसल प्रदर्शन कार्यक्रम 9 मार्च को ग्राम पर्थरा एवं 14 मार्च ग्राम धरमपुरा, विकास खण्ड कवर्धा में समूह फसल प्रदर्शन पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया

## समूह फसल प्रदर्शन पर प्रक्षेत्र दिवस

कृषि विज्ञान केन्द्र, द्वारा आदिवासी उपयोजनांतर्गत ग्राम तरेगांव जंगल में प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र कवर्धा के वैज्ञानिको द्वारा चना की उन्नत किस्म वैभव का फसल प्रदर्शन कृषकों के प्रक्षेत्र में किया गया था। इस कार्यक्रम में लगभग 100 से अधिक कृषको ने भाग लिया।

# APRIL TO JUNE 2016-17



## विगत तीन माह की गतिविधियाँ

### प्रक्षेत्र परीक्षण

| क्र. | फसल | प्रजाति | प्रयोग की जाने वाली तकनीक | रकबा (हे.) | लाभार्थी |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | प्याज | भीमा शक्ति | प्याज की उन्नत किस्म का आकलन | 0.4 | 04 |
| 2. | चना,गेहूँ प्याज | जे.जी.-14,रतन, भीमा शक्ति | सुनिश्चित सिंचाई अंतर्गत सोयाबीन आधार फसल पद्धति का आकलन | 2.4 | 04 |
| 3. | गेहूँ | रतन | सेल्फ प्रोपेल्ड वरटीकल कनवेयर रीपर द्वारा गेहूँ की कटाई का आकलन | 1.0 | 05 |
| 4. | मछली | कतला,रोहू,मृगल | मछली उत्पादन का आकलन | 0.8 | 09 |
| 5. | चना | जे.जी.-14 | चने की इल्लियों के नियंत्रण हेतु समन्वित प्रबंधन का आकलन | 0.8 | 04 |
| 6. | धान एवं गन्ना | ट्राईकोडर्मा विरडी | धान एवं गन्ना के उप उत्पादों का ट्राईकोडर्मा द्वारा विघटन का आकलन | - | 04 |
| 7. | चना | जे.जी.-14 | चने मे कालर राट के नियंत्रण हेतु ट्राईकोडर्मा के प्रभाव आकलन | - | 04 |
| 8. | मुर्गी | कडकनाथ | बैक्याई पद्धति मे मुर्गी पालन का आकलन | 50 नग | 04 |
| 9. | बटेर | कुटुरनिक्स कुटुर निक्स जपोनिका | बैक्याई पद्धति मे बटेर पालन का आकलन | 100 नग | 04 |
| योग | | | | 5.4 | 42 |

### प्रक्षेत्र परीक्षण (आत्मा योजना अंतर्गत)

| क्र. | फसल | प्रजाति | प्रयोग की जाने वाली तकनीक | रकबा (हे.) | लाभार्थी |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | गन्ना | सी.ओ.-95012 | गन्ने में अंतरवर्तीय फसल का आकलन | 0.4 | 04 |
| योग | | | | 0.4 | 04 |

### समूह फसल प्रदर्शन

| क्र. | फसल | किस्म | प्रयोग की जाने वाली तकनीक | रकबा (हे.) | लाभार्थी |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | चना | जे.जी.-226 | उन्नत किस्म का प्रदर्शन | 40 | 100 |
| 2. | अलसी | दीपिका,कार्तिका | उन्नत किस्म का प्रदर्शन | 10 | 25 |
| 3. | मसुर | हल - 57 | उन्नत किस्म का प्रदर्शन | 15 | 37 |
| 4. | सरसो | छत्तीसगढ़ सरसो | उन्नत किस्म का प्रदर्शन | 14 | 35 |
| 5. | तोरिया | उत्तरा | उन्नत किस्म का प्रदर्शन | 16 | 40 |
| योग | | | | 95 | 237 |

### अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन (आदिवासी उप परियोजना अंतर्गत)

| क्र. | फसल | प्रजाति | प्रयोग की जाने वाली तकनीक | रकबा (हे.) | लाभार्थी |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | चना | वैभव | उन्नत किस्म का प्रदर्शन | 28 | 70 |
| योग | | | | 28 | 70 |

### विस्तार गतिविधियाँ

| विषय | संख्या | लाभार्थी |
|---|---|---|
| वैज्ञानिक का खेतो में भ्रमण | 20 | 60 |
| केन्द्र पर कृषको का भ्रमण | 80 | 80 |
| प्रक्षेत्र दिवस | 03 | 300 |
| पशु स्वास्थ्य शिविर | 01 | 100 |
| योग | 107 | 740 |

### अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

| क्र. | फसल | प्रजाति | प्रयोग की जाने वाली तकनीक | रकबा (हे.) | लाभार्थी |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | अरबी | इंदिरा अरबी 1 | उन्नत किस्म का प्रदर्शन | 0.4 | 04 |
| 2. | चना | जे.जी.-14 | उन्नत किस्म का प्रदर्शन | 05 | 12 |
| 3. | गेहूँ | रतन | सीड कम फर्टीलाइजर द्वारा गेहूँ की बुवाई का प्रदर्शन | 05 | 12 |
| 4. | मछली | कतला,रोहू,मृगल | मिश्रित मछली पालन का प्रदर्शन | 1.0 | 10 |
| 5. | मछली | कतला,रोहू,मृगल खाकी कैम्बल | मछली सह बतख पालन का प्रदर्शन | 1.0 | 12 |
| 6. | गन्ना | सी.ओ.-86032 | लाल सड़न रोग के रोकथाम हेतु रासायनिक दवाओ के प्रभाव का प्रदर्शन | 05 | 12 |
| 7. | गाय | नीम एवं करंज तेल | नीम एवं करंज तेल का बाह्य परजीवी नाशक के रूप के प्रभाव का प्रदर्शन | 12 पशु | 12 |
| 8. | अजोला | अजोला पिन्नाटा | अजोला उत्पादन एवं पशु आहार के रूप में उपयोग का प्रदर्शन | 12 पशु | 12 |
| 9. | मशरूम | आयस्टर मशरूम | आयस्टर मशरूम उत्पादन तकनीक का प्रदर्शन | 50 बैग | 05 |
| योग | | | | 22.4 | 104 |

### कृषकों एवं कृषक महिलाओं के लिए प्रशिक्षण

| क्र. | विषय | संख्या | अवधि | प्रशिक्षणार्थी |
|---|---|---|---|---|
| 1. | फसल उत्पादन | 4 | 1 | 90 |
| 2. | पौध संरक्षण | 4 | 1 | 88 |
| 3. | उद्यानिकी | 4 | 1 | 87 |
| 4. | मृदा विज्ञान | 4 | 1 | 86 |
| 5. | पशुपालन | 4 | 1 | 84 |
| 6. | मत्स्यकी | 4 | 1 | 83 |
| 7. | कृषि अभियांत्रिकी | 4 | 1 | 82 |
| योग | | 28 | 7 | 600 |

### बीजोत्पादन कार्यक्रम 2016 -17

| क्र. | फसल | किस्म | प्रयोग की जाने वाली तकनीक | रकबा (हे.) |
|---|---|---|---|---|
| 1. | चना | जे.जी.-14 | आधार | 4.0 |
| 2. | चना | जे.जी.-226 | आधार | 3.4 |
| 3. | गेहूँ | रतन | प्रमाणित | 2.0 |
| योग | | | | 9.4 |

### गेहूँ की काप कैफेटेरिया

## सामयिक सलाह -2016

क्या करें.....? कब करें.....? क्यों करें.....?

### अप्रैल

फसलोत्पादन एवं पौध संरक्षण

- मृदा संरचना में सुधार हेतु अकरस जुताई का कार्य करें।
- गन्ने की पेड़ी फसल से तना बेधक का प्रकोप होने पर फोरेट 10 जी दानेदार दवा का 10 किलो प्रति हेक्टे.की दर से उपयोग करें।
- गन्ने की शीतकालीन फसल में नत्रजन की शेष मात्रा का छिड़काव करें एवं मिट्टी चढ़ाने का कार्य करें।

उद्यानिकी

- टमाटर,मिर्च, बैगन, भिण्डी तथा बरबट्टी आदि सब्जियों के बीज तैयार करने का उचित समय है।
- सब्जी लगाने हेतु खेत की गहरी जुताई करें। उसे खाली छोड़ दे साथ ही पॉलीथीन से ढ़क भी सकते है जिससे मृदा जनित खरपतवार तथा बीमारी व कीड़े के अण्डे भर जाये।
- आम नींबू वर्गीय एवं अन्य फसलों में सिंचाई प्रबंधन करें।
- गुलाब की क्यारियों और गमलों में 3-4 दिन के अंतराल में पानी देते रहें और महीने में एक बार कीटणुनाशक दवाइयों का छिड़काव करें।
- कद्दूवर्गीय फसलों में लाल भृंग फल मक्खी कीटो के नियंत्रण हेतु बीज बुआई के पहले कार्बोरिल 10 प्रतिशत जे.जी. गड्ढ़ो में मिलाना चाहिए।

पशुपालन

- पशुओं को पेट के कीड़ो की दवाई नियमित दें।
- पशुओं का बिछावन समय समय पर बदलवाते रहें।
- दुधारू पशुओं के थनैला रोग से बचाव के उपाय करें।
- पशु के सम्पूर्ण विकास के लिए खनिज मिश्रण 50-60 ग्राम दें।
- पशुओ को गर्मी से बचाव हेतु उपयुक्त उपाय करें।

### मई

फसलोत्पादन एवं पौध संरक्षण

- भूमि जनित रोगो के नियंत्रण हेतु खेत की जुताई मिट्ठी पलटने वाले हल से करें।
- गेहूँ के बीजो को धूप में लगभग 6 घंटे तक पक्के फर्श पर सुखाकर भण्डारित करें।
- मृदा संरचना सुधार हेतु अकरस जुताई करें एवं कार्बनिक खाद खेतों में वितरित करें।
- गन्ना में मिट्टी चढ़ाने का कार्य करें।
- फसलों में दीमक तथा भूमिगत कीटों के नियंत्रण हेतु फ्लोर पायरीकास 1.5 प्रतिशत चूर्ण को 20-25 किलो प्रति हेक्टे. की दर से मिट्टी में मिलायें तथा गुड़ाई करें।

उद्यानिकी

- तैयार लॉन से खरपतवार निकाल कर सफाई करनी चाहिए और पौधों को पानी देना चाहिए।
- हल्दी, घुइयाँ, अदरक हेतु खेत की तैयारी करें एवं बुवाई करें।
- वर्षाकालीन सब्जियों की बुवाई की तैयारी करें।
- आम, बेल ,अनानास रबेर, का मुख्वा, चटनी, अचार एवं सब्जियों को सुखाने का कार्य करें।
- कद्दूवर्गीय सब्जियों की बुवाई पॉलीथीन बैग में करें।

पशुपालन

- गाय व भैस के गर्मी में आने पर उत्तम नस्ल के सांड से समय पर गाभीन करवाये।
- ब्याने वाले पशुओं का विशेष ध्यान रखते हुए अन्य पशुओ से अलग रखे।
- पशुशाला की सफाई पर विशेष ध्यान दें।
- नवजात बछड़े एवं बछड़ियों को अंत: परजीवि एवं बाह्य परजीवि नाशक दवाई पशु चिकित्सक की सलाह अनुसार नियमित देवें।

### जून

फसलोत्पादन एवं पौध संरक्षण

- बुवाई पूर्व जुताई कार्य करें ताकि वितरित किए गए कार्बनिक खाद का मृदा में उचित मिश्रण हो सके।
- सोयाबीन एवं अरहर के लिए जमीन की तैयारी कर बुवाई करें।
- दलहनी फसलों को बुवाई के पूर्व फफूंदनाशक दवा एवं राइजोबियम कल्चर से अवश्य उपचारित करें।
- धान के बीजों को 17 प्रतिशत नमक के घोल में डाल कर ठोस बीजों का चुनाव करें तथा चयनित बीजों को दो बार स्वच्छ पानी से धोकर फफूंद नाशक साफ सुपर कार्वेडाजिम (2 ग्रा./ली.) से उपचारित कर बोयें।
- धान के नींदा नियंत्रणहेतु बोता धान में अंकुरण पूर्व आक्जाडार्जिल या पाइराजो सल्पुरान इथाइल या ब्यूराक्लोर या पेन्दी मेंथिन का प्रयोग करें।
- भूमि जनित रोगों के नियंत्रण हेतु खेत की जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करें। धान की कतार बोनी तथा खुर्रा बोनी करें।

उद्यानिकी

- नर्सरी हेतु भूखण्ड तैयार कर रोपनीबना लेंवें। सब्जियों की पौधशाला हेतु क्यारी निर्माण, भूमि उपचार एवं क्यारियों में बीजों की बुवाई करे।
- बरसात की फसल हेतु कद्दूवर्गीय सब्जियों के बीजों की बुवाई करें।
- टमाटर, मिर्च, बैगन एवं फलगोभी की नर्सरी तैयार करें।

पशुपालन

- ब्याने वाले पशुओं को प्रसुति बुखार से बचाने के लिए खनिज मिश्रण 50-60 ग्राम प्रतिदिन दें।
- पशु ब्याने के एक से दो घण्टे के अन्दर नवजात बछड़े बछड़ियो को पेऊश अवश्य पिलायें।
- नवजात बछड़े बछड़ियों को 10-15 दिन के आयु पर सिंग रहित करवायें।
- पशुओं को संक्रामक रोगों के रोग रोधी टीके समय समय पर अवश्य लगवायें।